Madhulika (Hindi Pathyapustak) Class - 5

5 हिंदी (मधुलिका)

1. मत बाँटो इनसान को

मौखिक

(क) मंदिर-मसजिद-गिरजाघर ने।
(ख) धरती और सागर को।
(ग) सूरज का।
(घ) सूना-सूना, रेगिस्तान जैसा।
(ङ) खिलती हुई बहार पर।

लिखित

1. (क) कवि इनसान को बाँटने को मना कर रहे हैं।
   (ख) कवि के अनुसार, उजियारे को महलों में बंदी बनाया गया है।
   (ग) हरी-भरी धरती के ऊपर नील गगन अवस्थित है।
   (घ) हर प्यासी चट्टान को प्यार का जल देना है।
2. (क) कोई कहता है कि भगवान मंदिर में है तो कोई कहता है कि यह मसजिद या गिरजाघर में है। इस प्रकार भगवान को बाँट लिया गया है।
   (ख) दीपक की मजबूरी है कि यह चारों ओर प्रकाश नहीं फैला पा रहा अर्थात अज्ञान को दूर नहीं कर पा रहा क्योंकि कुछ विशेष लोगों (पंडित-पुरोहित, मौलवी, पादरी आदि।) ने ज्ञान की सच्ची राह में बाधा खड़ी की हुई है।
   (ग) यदि प्यार की कमी रह जाए तो हरी-भरी धरती भी रेगिस्तान बन जाती है अर्थात प्यार-भरे दिल शुष्क हो जाते हैं।
   (घ) सूरज का मुख्य कार्य है प्रकाश फैलाना। सूर्य के प्रकाश से ही धरती पर जीवन संभव है।
   (ङ) जी हाँ, प्यार और सहयोग पर ही इनसानियत निर्भर है। यदि मानव के जीवन में प्यार नहीं होगा तो वह बिलकुल शुष्क हो जाएगा और मशीनों की तरह व्यवहार करेगा। फिर उसके जीवन में खुशी, उत्साह, उमंग, उल्लास, आनंद रत्ती-भर भी न बचेगा। वह दुख की मूर्ति बन जाएगा।
3. (क) (*iv*) (ख), (*ii*), (ग) (*i*)
4. (क) अभी तो धरती सुंदर और हरियाली है। धरती के ऊपर का नीला आकाश भी शुद्ध, पवित्र एवं दोष-रहित है। यदि प्यार न हो तो यह पूरा संसार एक वीराने के समान और जलते हुए रेगिस्तान के समान दिखाई पड़ेगा।
   (ख) यदि सब मिल-जुलकर रहें, आपस में सहयोग करें तो सूरज हर द्वार पर चमकेगा अर्थात प्रेम व ज्ञान का संदेश हर व्यक्ति तक पहुँचेगा। जो भी यहाँ दुखी है उसे भी खुश रहने का, आनंदित रहने का हक मिलेगा।

भाषा बोध

1. (क) धरती, (ख) वितान, (ग) रेगिस्तान, (घ) जग, (ङ) चट्टान, (च) आँगन
2. (क) दरबान, आसमान; (ख) नूर, चूर; (ग) महान, समान; (घ) प्यार, कहार; (ङ) चाकर, नागर (च) कभी, तभी
3. (*i*) उजियाला महलों में बंदी है।
   (*ii*) फिर कोई रौंद नहीं पाएगा।
   (*iii*) यदि प्यार न हो तो जग सूना है।
   (*iv*) सूरज का संदेशा नहीं मिला।
4. **स्त्रीलिंग :** मस्जिद, धरती, बहार
   पुल्लिंग : मंदिर, सागर, रेगिस्तान, आँगन, मौसम

रचनात्मक कार्य

(क) बच्चे कक्षा में आपस में चर्चा कर सकते हैं।
(ख) सिख धर्म के दस गुरु हैं–
(*i*) गुरु नानक देव जी, (*ii*) गुरु अंगद देव जी, (*iii*) गुरु अमरदास जी, (*iv*) गुरु रामदास जी, (*v*) गुरु अर्जनदेव जी, (*vi*) गुरु हरगोबिंद जी (*vii*) गुरु हर राय जी, (*viii*) गुरु हरकिशन जी, (*ix*) गुरु तेग बहादुर जी, (*x*) गुरु गोबिंद सिंह जी (*xi*) गुरु ग्रंथ साहिब जी
गुरु ग्रंथ साहिब जी को सिखों का अंतिम गुरु माना जाता है।

आओ कुछ और करें

क्रिया-कलाप पूर्ण करने में बच्चों का मार्ग-दर्शन करें।

2. शिकारी और काला हिरन

मौखिक

(पहले पाठ के संकेतों के अलावा कुछ बच्चों की सहायता के लिए प्रश्नों के उत्तर पहले शिक्षकगण द्वारा बोले जा सकते हैं। फिर उन्हें कुछ कमज़ोर बच्चों को दोहराने हेतु कहा जा सकता है।)

(क) गंगा की तराई में।
(ख) दोपहर का समय क्योंकि उस समय हिंसक जानवर खा-पीकर सुख की नींद सो जाते थे।

(ग) हिरनों का शिकार करने के लिए।
(घ) हिरनों में भगदड़ मच गई।

लिखित

1. (क) एक दिन जंगल में शिकारियों का एक दल शिकार खेलने आया और ये शिकारी प्यास से बेहाल हो गए।
   (ख) काला हिरन दूसरे हिरनों से तेज़ दौड़ सकता था और दूसरों से अधिक बुद्धिमान था।
   (ग) राजकुमार ने काले हिरन को पकड़ने के लिए कुछ चतुर शिकारी बुलाए।
   (घ) रात के समय राजकुमार ने सपने में देखा कि काले हिरन उसके बगीचे में चरने के लिए आए थे।
   (ङ) सपना देखकर राजकुमार पर यह प्रभाव पड़ा कि राजा बनने पर उसने जंगली जानवरों के शिकार पर रोक लगा दी।
2. (क) काले हिरन में सरदार बनने के अनेक गुण थे। वह सुंदर तो था ही, वह अपना कर्तव्य भी जी-जान से निभाता था। झुंड को भी अपने सरदार पर (काले हिरन पर) पूरा विश्वास था।
   (ख) राजकुमार काले हिरन को देखकर आश्चर्यचक्ति हो गया। इसका कारण यह था कि काला हिरन अत्यंत सुंदर था। राजकुमार की नज़र में तो वह अद्भुत था।
   (ग) जाल में फँसे हिरन को देखकर हिरनी हिरनों के घेरे से बाहर निकल आई। उसकी आँखों में आँसू भर आए। वह धीरे-धीरे हिरन के पास आई और उसे खुजलाने लगी।
   (घ) हिरनी अपने साथी को छोड़कर भागी नहीं थी। वह उसे (काले हिरन को) दिलासा देने के लिए उसे खुजलाती रही। उसने अपनी जान की परवाह नहीं की। हिरनी के इसी व्यवहार से राजकुमार प्रभावित हुआ।
   (ङ) राजकुमार ने ऐसा करके बिलकुल उचित किया। कुछ लोग केवल अपना मन बहलाने के लिए या शान दिखाने के लिए जंगली जानवरों का शिकार करते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि जिस परमात्मा ने मानव को बनाया है, उसी ने जानवरों को भी बनाया है। जानवर भी मानव की तरह परिवार बनाकर रहते हैं और दुख-सुख महसूस करते हैं।
3. (क) (*ii*), (ख) (*ii*), (ग) (*ii*)
4. (क) शिकारियों के हमले के कारण पहले तो सब हिरन जान बचाने को भागने लगे लेकिन जब उन्होंने देखा कि उनका सरदार जाल में फँस गया है, तब उन्हें अपनी जान बचाने का कोई लालच नहीं रहा। वे अपनी जान की परवाह किए बिना काले हिरन के चारों ओर घेरा बनाकर खड़े हो गए। यह वास्तव में संगठन का एक अद्भुत नज़ारा था।
   (ख) राजकुमार को यह आशा कतई नहीं थी कि कोई हिरन काले हिरन के आस-पास भी नज़र आएगा। हिरनी न केवल वहाँ रूकी बल्कि हिरन के प्रति अपना प्यार भी प्रकट करने लगी। हिरनी का प्यार ही उसकी प्रार्थना थी–कृपया मेरे प्यारे हिरन को छोड़ दो। हिरनी के ऐसे समर्पण, ऐसे प्यार ने राजकुमार के दिल को दया से भर दिया।

भाषा बोध

1. (क) चौकन्ना–च् + औ + क् + अ + न् + न् + आ
   (ख) विपत्ति–व् + इ + प् + अ + त् + त् + इ
   (ग) विचित्र–व् + इ + च् + इ + त् + र् + अ
   (घ) प्रतीक्षा–प् + र् + अ + त् + ई + क् + ष् + आ
   (ङ) अद्भुत–अ + द् + भ् + उ + त् + अ
2. (ख) वह, (ग) उनका, (घ) उन्हें, (ङ) वे
3. (क) ''छोड़ दो इसे!'' एकाएक राजकुमार ने आदेश दिया। हिरनी की करुणाभरी मूक प्रार्थना ने राजकुमार का हृदय पिघला दिया था।
   (ख) मगर यह क्या! राजकुमार आश्चर्य में पड़ गया। काले हिरन को जाल में फँसा देखकर हिरन भागते-भागते रुक गए।
4. (*i*) अहिंसक, (*ii*) सफ़ेद, (*iii*) साधारण, (*iv*) अविश्वास, (*v*) अनुपस्थित, (*vi*) वाचाल
5. (क) गरुड़, बाज़, मच्छर, उल्लू, कछुआ, चीता, खटमल, बिच्छू।
   (ख) राज्यपाल, मंत्री, डॉक्टर, इंजीनियर, वास्तुकार।

रचनात्मक कार्य

(क) **संकेत :** शिकारियों से; तस्करों से; अपने से शक्तिशाली जानवर से; कुछ छोटे-बड़े जानवरों को मांसाहारी जानवरों से, जैसे–हिरन, ज़ेबरा, खरगोश, ज़िराफ़ आदि को शेर, बाघ, चीता, तेंदुआ, लक्कड़बग्घा आदि से।

(ख) **संकेत :** चूहा, गिलहरी आदि (तीखे दाँतों वाले जानवर)

(ग) **संकेत :** नरम घास, नरम पत्तियाँ पेड़-पौधों की टहनियाँ तथा फल आदि। मांसाहारी जानवर हिरनों को खा सकते हैं।

(घ) **संकेत :** शिकार पर प्रतिबंध, सुरक्षित जंगलों का

विस्तार, जंगलों की उचित निगरानी, जानवरों की उचित देखभाल।

आओ कुछ और करें

(क) गतिविधि पूर्ण करने हेतु विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन एवं मार्ग-दर्शन करें।

(ख) देश में ऐसे राष्ट्रीय पार्कों की संख्या 80 से अधिक है। इनमें से कुछ हैं–कार्बेट नेशनल पार्क (उत्तराखंड, कान्हा राष्ट्रीय पार्क (मध्य प्रदेश), बाँधवागढ़ राष्ट्रीय पार्क (मध्यप्रदेश), रणथंबौर राष्ट्रीय पार्क (राजस्थान), सुंदरबन राष्ट्रीय पार्क (पं०बंगाल), पेरियार राष्ट्रीय पार्क (केरल)।

3.रंगों की भाषा

मौखिक

(क) लाल रंग
(ख) हरा रंग
(ग) बुरी नज़र से बचाने के लिए
(घ) पीले रंग का

लिखित

1. (क) सड़क के चौक पर जलती लाल बत्ती खतरे का संकेत करती है।
   (ख) तिरंगे का हरा रंग हरियाली और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है।
   (ग) लाल-पीला होना–अर्थात भयंकर गुस्सा करना।
   (घ) शांति और अहिंसा का प्रतीक सफ़ेद रंग को माना गया है।
   (ङ) ईसाई समाज में महिलाएँ विवाह के अवसर पर सफ़ेद रंग की पोशाक पहनती हैं।

2. (क) लाल रंग खतरे का भी प्रतीक है और शुभ अवसर का भी। जहाँ भी खतरे का आभास होता है, वहाँ इसकी सूचना लाल रंग द्वारा मिलती है। जबकि नव-वधू के वस्त्र, कलाइयों की चूड़ियाँ तथा सिंदूर भी लाल रंग के ही होते हैं।
   (ख) कुछ लोग घर के मुख्य द्वार पर काली हाँड़ी लटका देते हैं। ऐसे लोग सोचते हैं कि काली हाँड़ी लटकाने से नए घर को नज़र नहीं लगेगी।
   (ग) वसंतोत्सव पर चारों ओर पीला रंग फैला दिखता है। खेतों में सरसों और सूरजमुखी के पीले फूल, बगिया में गेंदे के पीले फूल, गलियों में पीले वस्त्र पहने लोग आदि। इस प्रकार यह रंग शुभ की सूचना देता है लेकिन 'पीलिया' बीमारी में रोगी का चेहरा पीला पड़ जाता है। इस प्रकार यह रंग अशुभ की सूचना भी देता है।
   (घ) नियम-कानून तोड़कर जो धन कमाया जाता है, उसे 'काला धन' कहते हैं। काला धंधा कर काली कमाई करना उचित नहीं है। काली कमाई से थोड़े-से लोग तो अमीर हो जाते हैं लेकिन अधिकतर लोग कष्ट उठाते हैं।

3. (क) (*i*), (ख) (*iii*)

4. 'काला' वास्तव में बुराई का पर्याय बन गया है। बुरा काम करने पर कहा जाता है–मुँह काला करना। अनैतिक कमाई को कहा जाता है–काला धन। अनैतिक व्यवसाय को कहा जाता है–काला धंधा। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि 'काला' तो जैसे बुराई का पर्याय बन गया है।

भाषा बोध

1. (क) नवीन, (ख) प्रयोग, (ग) आमदनी, (घ) आदमी
2. (*i*) बत्ती, पत्ता, उत्तर (*ii*) रत्न, यत्न, पत्नी
   (*iii*) सच्चा, बच्चा, कच्चा (*iv*) सस्ता, बस्ता, रास्ता
3. (*i*) नव विवाहिता, (*ii*) काला रंग, (*iii*) पुराने समय, (*iv*) काली हाँड़ी, (*v*) बुरी चीज़, (*vi*) लंबा अनुभव, (*vii*) लाल टीका, (*viii*) पीली झंडियाँ
   [नोट : कुछ उत्तर आपस में बदले भी जा सकते हैं।]
4. मुहावरे-अर्थ– (क)–2, (ख)–3, (ग)–4, (घ)–5
   वाक्य प्रयोग– (क) रंग में भंग पड़ना, (ख) लाल-पीले हो गए, (ग) रंग में रंग गए, (घ) खून सफेद हो गया है, (ङ) रंग उड़ गया

रचनात्मक कार्य

(क) **संकेत :** अनेक प्रकार के रंग, दीवारों के पेंट के रंग, ड्राईंग के रंग, होली के रंग, सब रंगों को बनाने की विधियाँ अलग-अलग। मुख्य तौर पर रसायनों का प्रयोग, होली के रंग फूल-चंदन आदि प्राकृतिक वस्तुओं से भी बनते हैं।

(ख) बच्चों के उत्तर सुनकर उन्हें प्रेरित करें कि वे सुरक्षित रंगों से होली खेलें। रंग त्वचा के लिए हानिकारक नहीं होते। ऐसे रंग फूलों तथा अन्य प्राकृतिक वस्तुओं, जैसे–चंदन, गुलाब जल, बादाम का तेल आदि से बनाए जाते हैं। पलाश, गुलाब, कुमुदनी आदि के फूलों से रंग बनाए जाते हैं।

(ग) चौराहे पर तीन रंगों की बत्तियों का प्रयोग वाहनों एवं उन पर सवार लोगों की सुरक्षा हेतु किया जाता है। ये बत्तियाँ हमें बताती हैं कि हमें चौराहे पर कब रूकने को तैयार हो जाना चाहिए, कब रूक जाना चाहिए और कब चलना चाहिए।

आओ कुछ और करें

क्रिया-कलाप पूर्ण करने हेतु बच्चों को प्रेरित करें व उचित मार्ग-दर्शन करें।

4. एक बूँद

मौखिक

(मौखिक प्रश्न बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति को सुदृढ़ करने हेतु दिए जाते हैं। शिक्षकगण बच्चों को बोलने हेतु प्रेरित करें, विशेषकर संकोची बच्चों को। इससे उनकी बोलने में हिचक समाप्त होगी तथा वे भविष्य में अपने विचार व्यक्त करने में सक्षम होंगे।)

(क) एक बूँद, (ख) अँगारे पर, (ग) मोती का, (घ) अपना घर

लिखित

1. (क) एक बूँद बादल से निकलकर आगे बढ़ी थी।
   (ख) धूल में मिल जाने पर बूँद कीचड़ का रूप लेती।
   (ग) सीप के मुँह में प्रवेश करने पर बूँद मोती का रूप धारण करती है।
   (घ) घर छोड़ते समय लोग झिझकने और सोचने लगते हैं।
2. (क) बादल की गोद से निकलने पर बूँद के मन में अनेक विचार आए। वह सोचने लगी– क्या मैं मिट्टी में मिल जाऊँगी? क्या मैं किसी अँगारे पर गिरकर जल मरूँगी? या मैं किसी कमल के फूल की शोभा बनूँगी?
   (ख) बूँद की भगवान से शिकायत थी कि उसे अपना घर छोड़ने पर क्यों मजबूर होना पड़ा? पता नहीं, परमात्मा ने मेरी किस्मत में क्या लिखा है!
   (ग) घर छोड़ते समय लोग अकसर परेशान हो जाते हैं। उनके मन में कई प्रकार के विचार घूमने लगते हैं, पता नहीं, वे सफल हो पाएँगे या नहीं। पता नहीं नया शहर, मिलने वाले नए लोग, नया वातावरण कैसा होगा आदि।
   (घ) यह बात सत्य है कि घर को त्यागकर ही अधिकांश विभूतियाँ कुछ नया कर पाई हैं। ज़रा सोचें, यदि महात्मा गांधी अपना घर न छोड़ते तो क्या होता! आंदोलनों की शुरुआत उन्होंने दक्षिण अफ्रीका से की थी। यदि पं० जवाहरलाल नेहरू, नेता जी सुभाषचंद्र बोस, शहीद भगत सिंह आदि अपना घर छोड़ने का साहस न दिखाते तो क्या होता। साहसी लोग महान कार्यों के लिए घर छोड़ देते हैं।
3. (क) बादल रूपी घर छोड़ने पर बूँद के मन में अनेक विचार आने लगे। वह सोचने लगी–पता नहीं परमात्मा ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है। पता नहीं मैं बच जाऊँगी या धूल में मिलकर अपना जीवन गँवा बैठूँगी।
   (ख) हवा में तैरते समय बूँद के मन में अनेक विचार चल रहे थे, बुरे भी और अच्छे भी। उसके लिए सौभाग्य की बात यह हुई कि वह एक सीप के मुँह में जा गिरी और मोती बन गई अर्थात घर छोड़ते समय में बुरे विचार नहीं लाने चाहिए।
   (ग) घर छोड़ते समय लोगों के मन में अनेक प्रकार के विचार आते हैं किंतु कवि का विचार है कि लोगों को बुरे विचारों को मन से निकाल देना चाहिए। जिस प्रकार बूँद घर छोड़कर मोती बन गई, इसी प्रकार उनका जीवन भी चमक सकता है।

भाषा बोध

1. (*i*) बूँद, (*ii*) बादल, (*iii*) मोती, (*iv*) कमल, (*v*) घर, (*vi*) लोग, (*vii*) सीप, (*viii*) हवा, (*ix*) भाग्य, (*x*) धूल, (*xi*) अँगारा, (*xii*) समंदर, (समुद्र)
2. (क) बढ़ी–चढ़ी, मढ़ी; (ख) बचूँगी–रचूँगी, जचूँगी; (ग) धूल–फूल, शूल; (घ) अनमनी–सनसनी, तनतनी; (ङ) घर–झर, डर; (च) झिझकते–मिचकते, सिसकते
3. ज्य– राज्य, ज्योति, ज्योतिषी
   क्य– क्यारी, वाक्य, क्या
   ग्य– ग्यारह, भाग्य, वैराग्य
   प्य– प्यार, प्यास, प्याज़
4. बादलों, बूँदें, देवों, अनेक, घरों, हवाएँ, फूलों, अँगारे

रचनात्मक कार्य

(क) **संकेत :** सूर्य की गर्म से भाप, भाप एकत्र होकर बादलों का रूप, बादलों से ठंडी वायु का टकराना, ठंडा होने पर भाप का बूँदों में बदलना, यदि बादल बूँदों का रूप न ले तो कहीं भी वर्षा नहीं होगी, सारा आकाश बादलों से ढक जाएगा, सूर्य के दर्शन नहीं होंगे, मौसम में भयंकर बदलाव होंगे।

(ख) बोर्ड पर जल-चक्र का चित्र बनाकर समझाया जा सकता है। (क) से संकेत लें।

(ग) एवं (घ) क्रियाकलाप के लिए बच्चों का उत्साहवर्धन करें एवं मार्ग-दर्शन करें।

आओ कुछ और करें

(क) भारत विश्व के उन गिने-चुने भाग्यशाली देशों में से है जहाँ छह ऋतुएँ होती हैं। भारत में 90% वर्षा

मानसून के दौरान होती है। मानसून के महीनों को देशी भाषा में 'चौमासा' कह दिया जाता है क्योंकि यह लगभग चार महीने रहता है। मेघालय राज्य में भारत में सर्वाधिक वर्षा होती है। 'मेघालय' का अर्थ ही है–मेघों (बादलों) का घर। बहुत अधिक वर्षा के लिए चेरापूँजी विश्व-भर में प्रसिद्ध है।

(ख) सीप से मोती बनने में एक साल से लेकर सात साल तक का समय लगता है। यह समय मोती के आकार पर निर्भर करता है। अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको आदि देशों में मोतियों की खेती की जाती है। आजकल अनेक देशों में समुद्र तट पर सीपों को पालकर मोतियों की खेती की जाने लगी है। जैसे मधु-मक्खियों को पालकर शहद बनाया जाता है।

(ग) गतिविधि हेतु छात्रों का उत्साहवर्धन एवं मार्ग-दर्शन करें।

5. स्कूल की यादें

मौखिक

(क) लेखक के नाना के दोस्त थे।
(ख) लेखक दिनभर तसवीर बनाते थे।
(ग) लेखक ने।
(घ) नानाजी से।
(ङ) तसवीर बनाने के गुण की।

लिखित

1. (क) हेडमास्टर साहब गंभीर और कठोर स्वभाव के व्यक्ति थे।
   (ख) क्योंकि वे लेखक को स्कूल के सबसे तेज़ व होनहार लड़कों में से एक मानते थे।
   (ग) नाना जी ने कमरे की सारी तसवीरें नोचकर फेंक दीं।
   (घ) हेडमास्टर साहब ने ब्लेकबोर्ड पर पाँच सवाल लिखकर पूछे।
   (ङ) उन्होंने लेखक को दो सप्ताह के लिए स्कूल से निकाल दिया।
2. (क) हेडमास्टर साहब के प्रति छात्रों का व्यवहार उचित नहीं था। वे (छात्र) उनके सामने तो डरकर रहते थे लेकिन उनके पीठ पीछे उनका मज़ाक उड़ाते थे।
   (ख) हेडमास्टर साहब लेखक के नाना जी के दोस्त थे। नाना जी लेखक की प्रशंसा सुनकर खुश हो जाते थे। सो, उन्हें खुश करने के लिए हेडमास्टर साहब नाना जी के समक्ष लेखक की प्रशंसा किया करते थे।
   (ग) नाना जी को लगा कि यह बच्चा (लेखक) सारा दिन तसवीरें ही बनाता रहता है। पढ़ाई-लिखाई कुछ करता नहीं इसलिए उन्होंने तसवीरों को नोचकर फेंक दिया।
   (घ) हेडमास्टर साहब की तसवीर देखकर छात्र खूब हँसे। यहाँ तक कि दूसरे मास्टर जी के आने पर भी वे दबी हँसी हँसते रहे।
   (ङ) तसवीर बनाना सचमुच एक कला है। तसवीर बनाने के लिए आमतौर पर निम्नलिखित सावधानियाँ बरती जाती हैं–
   (*i*) तसवीर बनाने के लिए सबसे पहले विषय का चुनाव किया जाता है कि किस विषय पर तसवीर बनानी है। तसवीर के लिए अनगिनत विषय हो सकते हैं; जैसे–बच्चे, पशु-पक्षी, लोग, प्रकृति, उपग्रह, मोटर-कारें आदि।
   (*ii*) तसवीर की शुरुआत में सबसे पहले बाहरी रेखाएँ (Outlines) खींची जाती हैं, फिर उन रेखाओं के भीतर शेड आदि भरी जाती है।
   (*iii*) श्याम-श्वेत तसवीर बनने के बाद उसमें उपयुक्त रंग भरे जाते हैं। रंगों के चुनाव में विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है कि ये विषय के अनुरूप ही हों।
3. (क) गणित के अध्यापक की जगह हेडमास्टर साहब आए।
   (ख) उनका आना बच्चों को अच्छा नहीं लगा।
   (ग) वे सवाल घंटा समाप्त होने से पहले ही हल करने थे।
   (घ) हेडमास्टर साहब ने मेज़ पर अपनी पगड़ी उतारकर रखी। उन्होंने अपनी टाँगें भी मेज़ पर रख लीं।

भाषा बोध

1. **स्त्रीलिंग–** पगड़ी, तसवीर, घंटी, कॉपी, हँसी
   पुल्लिंग– हेडमास्टर, आदमी, नाना, लड़का, ब्लैकबोर्ड
2. (क) बनाता है, (ख) होते हैं, (ग) आए, (घ) खड़े हो गए, (ङ) लिखे
3. (ख) दादी जी ने पूजा **की**। (स्त्रीलिंग)
   (ग) मैंने यह तसवीर **बनाई**। (स्त्रीलिंग)
   (घ) मुझे बहुत दुख **हुआ**। (पुल्लिंग)
   (ङ) उसने कागज़ **फाड़े**। (पुल्लिंग)
4. (*i*) ठिगने, (*ii*) तसवीर, (*iii*) गंभीर, (*iv*) हिम्मत, (*v*) अनुशासन, (*vi*) बिलकुल, (*vii*) पाँचों, (*viii*) दिलचस्पी

रचनात्मक कार्य

(क) बच्चे अपनी पसंद बताएँगे।

(ख) कंप्यूटर पर कई तरह से चित्र बनाए जा सकते हैं। हम कागज़ की शीट पर चित्र बनाकर उसे स्कैन कर कंप्यूटर में डाल सकते हैं। माउस की सहायता से विशेष प्रोग्राम में जाकर चित्र बनाए जा सकते हैं। आजकल पैन टेबलेट की मदद से कंप्यूटर में चित्र बनाए जा रहे हैं।

(ग), (घ) बच्चे स्वयं करेंगे।

(ङ) **संकेत :** परिणाम का दिन; सब बच्चे स्कूल पहुँचे; कक्षा-अध्यापिका ने परिणाम सुनाया; पूरी कक्षा पास; मैंने कक्षा में चौथा स्थान पाया; बहुत प्रसन्नता हुई; सब मित्रों ने एक-दूसरे को बधाई दी, विशेषकर मानव को, वह कक्षा में प्रथम आया था; पूरा दिन उत्सव की भाँति गुज़रा।

आओ कुछ और करें

(क) **संकेत :** मिट्टी की मूर्ति बनाना तसवीर बनाने से कठिन; मिट्टी की मूर्ति के लिए विशेष मिट्टी तथा कुछ साँचों की आवश्यकता; मूर्ति सूखने के बाद विशेष रंगों से सजावट; कागज़ पर तसवीर बनाने के लिए कैनवस, ड्राइंग शीट तथा कागज़ के विभिन्न रंगों की ज़रुरत।

(ख) एवं (ग) क्रिया-कलाप पूर्ण करने हेतु विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करें तथा मार्ग-दर्शन करें।

6. परीक्षा

मौखिक

(क) सरदार सुजान सिंह।
(ख) राजा साहब अपने अनुभवशील, नीतिकुशल दीवान का बड़ा आदर करते थे।
(ग) देश के प्रसिद्ध पत्रों में।
(घ) मंदाग्नि के मरीज़ को।
(ङ) पंडित जानकीनाथ को।

लिखित

1. (क) एक महीने तक।
   (ख) दीवान की ज़रूरत वाले विज्ञापन ने।
   (ग) ग्रेजुएटों की।
   (घ) नाले पर।
2. (क) दीवान ने राजा से सेवानिवृत्त होने की प्रार्थना इसलिए की कि वे बूढ़े हो गए थे। उनमें राज. काज सँभालने की शक्ति नहीं बची थी। उन्हें डर था कि उनकी किसी भूल-चूक के कारण उनकी बदनामी न हो जाए।
   (ख) दीवान के पद के लिए कोई विशेष योग्यता निश्चित नहीं की गई थी। उनका स्वस्थ व हृष्ट-पुष्ट होना ही काफ़ी था। हाँ, मंदाग्नि के मरीज़ों की मनाही ज़रूर थी।
   (ग) दीवान चुने जाने के लिए उम्मीदवारों ने अनेक पाखंड किए। आलसी बगीचे में सैर करते नज़र आने लगे। कठोर लोग विनम्रता का व्यवहार करने लगे। नास्तिक पूजा-पाठ करने लगे तो कोई वेद-मंत्र पढ़ने लगा।
   (घ) कहानी में 'बूढ़ा जौहरी' सरदार सुजान सिंह के लिए प्रयोग किया गया है। 'बगुला' शब्द आडंबर करने वाले उम्मीदवारों के लिए प्रयुक्त हुआ है। 'हंस' शब्द का प्रयोग ऐसे उम्मीदवार के लिए किया गया है जो सच्चा हो। जिसके हृदय में प्रेम, सहानुभूति और दया जैसे गुणों की धारा बहती हो।
   (ङ) पं० जानकीनाथ में ही ऐसे गुण थे जो सुयोग्य दीवान के लिए ज़रूरी थे। उनके मन में गरीबों के लिए दया थी। आम नागरिकों के लिए प्रेम व सहानुभूति थी। एक असहाय किसान की गाड़ी पार लगाने से उन्होंने इसे सिद्ध कर दिया था।
   (च) समाज का नेतृत्व करने के लिए व्यक्ति में सबसे मुख्य गुण सहानुभूति का होना चाहिए। जिस व्यक्ति में यह गुण होगा, उसके मन में दूसरे गुण अपने-आप आते जाएँगे। वह दयालु होगा, प्रेमी होगा, सहायक होगा। ऐसा व्यक्ति दूसरों की सेवा में हृदय से जुट जाएगा।
3. (क) (*ii*), (ख) (*iv*), (ग) (*ii*)
4. (क) किसी के हृदय में सहायता की भावना हो, इसके लिए ग्रेजुएट होना ज़रूरी नहीं होता। हृदयहीन पढ़े-लिखे से हृदयवान अनपढ़ हज़ार गुणा अच्छा होता है। यदि दूसरों की सहायता करनी हो तो स्वयं का स्वस्थ होना ज़रूरी होता है। स्वास्थ्य के बिना तो व्यक्ति निरा बोझ है। जो खुद ही मरीज़ हो, भला वह दूसरों की क्या सेवा करेगा।
   (ख) खोजने से ही सुंदर व उपयोगी वस्तु प्राप्त होती है। उसके लिए कर्म करना पड़ता है, मेहनत करनी पड़ती है। यदि कोई व्यक्ति कुछ मुफ़्त में ही प्राप्त करना चाहे तो उसे क्या मिलेगा? सड़क पर बिखरी गंदगी और कंकर-पत्थर। यदि कुछ मूल्यवान पाना हो तो उसके लिए मेहनत करना बहुत ही ज़रूरी है।

भाषा बोध

1. (*i*) राज्य, (*ii*) मनुष्य, (*iii*) रोगी, (*iv*) दृष्टि, (*v*) देश, (*vi*)

दशा, (*vii*) भाग्य, (*viii*) ध्यान, (*ix*) धनी, (*x*) अधिक

2. (क) सिंह, (ख) हाँफना, (ग) ज़िंदगी, (घ) पंजाब, (ङ) नहीं, (च) मंदाग्नि, (छ) परंतु, (ज) ऊँचा

3. ड–डर, डाँट, डुगडुगी; ड़–पड़, साँड़, खिड़की; ढ–ढक्कन, ढोकला, ढुलाई; ढ़–बढ़ई, पढ़ाई, चढ़ाई

4.

	मूलशब्द		प्रत्यय
(क)	साफ़	+	आई
(ख)	उकसाहट	+	आया
(ग)	लगा	+	कर
(घ)	सहम	+	ई
(ङ)	मुसकुरा	+	कर

5. (क) (*i*) वह खंभा बहुत **ऊँचा** है।
(*ii*) वह **ऊँचा** अफ़सर है।
(ख) (*i*) पार्टी में **नाना** प्रकार के व्यंजन थे।
(*ii*) मेरे **नाना** जी दुबई में रहते हैं।
(ग) (*i*) चिड़िया के **पर** बहुत छोटे होते हैं।
(*ii*) रश्मि आई तो सही, **पर** रूकी नहीं।
(घ) (*i*) अमिताभ का जन्म उच्च **कुल** में हुआ।
(*ii*) आज कक्षा में **कुल** सात बच्चे हैं।

रचनात्मक कार्य

(क) बच्चे अपने विचार अनुशासन में रहकर प्रकट करें।
(ख) आजकल वह पद मंत्रियों को दिया जाता है।
(ग) एवं (घ) विद्यार्थी स्वयं अपनी सोच तथा परिवार के सदस्यों की सहायता से करेंगे।

आओ कुछ और करें

क्रिया-कलाप पूर्ण करने में विद्यार्थियों का मार्ग-दर्शन करें।

7. कर्तव्य-पालन ही सच्चा धर्म

मौखिक

(क) कर्तव्य।
(ख) उनकी सेवा करना।
(ग) शत्रु का इलाज करने के रूप में।
(घ) रावण का छोटा भाई अहिरावण।
(ङ) मकरध्वज हनुमान जी का पुत्र था।

लिखित

1. (क) शिक्षक के प्रति हमारा कर्तव्य है कि हम उनका सम्मान करें।
(ख) देश के प्रति हमारा परम कर्तव्य है कि हम किसी सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुँचाएँ तथा नियमों का पालन करें।
(ग) मकरध्वज ने अपना प्रथम कर्तव्य अपने देश की रक्षा करने को माना।
(घ) जब देशभक्त किसी लोभ-लालच या मोह में न पड़कर अपना धर्म निभाते हैं और कर्तव्य पालन से पीछे नहीं हटते। तब समय ऐसे ही लोगों को सलाम करता है। ऐसे पुरुष ही इतिहास-पुरुष बनते हैं।

2. (क) कर्तव्य-पालन का अर्थ है–वे सब कार्य करना, जो हमें करने चाहिए। अपने कार्य करना हमारी अपनी ज़िम्मेदारी है। यह हमारा नैतिक दायित्व (ज़िम्मेदारी) है।
(ख) समाज के प्रति आम आदमी के कर्तव्य हैं कि वह किसी की बुराई न करे। दूसरों को नुकसान न पहुँचाएँ।
(ग) रामायण में कर्तव्य-पालन के दो प्रसंग चर्चा में आए हैं। एक, राजवैद्य द्वारा लक्ष्मण के उपचार का। दूसरा, हनुमान जी के बेटे का अपने देश के लिए अपने पिता से युद्ध करने का।
(घ) राजवैद्य ने लक्ष्मण का उपचार करके अपने कर्तव्य का पालन किया। यदि वे असहयोग करते तो राम की सेना पर बड़ा विपरीत प्रभाव पड़ता। तब शायद ही लक्ष्मण के प्राण बचते। ऐसी हालत में राम की सेना रावण से हार भी सकती थी।
(ङ) कर्तव्य-परायण व्यक्ति को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उसे कई बार अपना मन मारकर पढ़ाई करनी पड़ती है। शरीर को कष्ट देना पड़ता है। कई बार मन की इच्छा के विपरीत कठोर परिश्रम करना पड़ता है।
हाँ, मैं कर्तव्य-परायण बनना चाहूँगा क्योंकि सफलता व यश, कर्तव्य-परायण व्यक्तियों के कदम चूमते हैं।

3. (क) (*iii*), (ख) (*iv*), (ग) (*iv*)

4. (क) यह सही है कि वही देश महान बन सकता है, जिसके नागरिक अपने कर्तव्य से मुँह न मोड़ें। यदि सब लोग अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करेंगे तो देश पिछड़ जाएगा। देश की समृद्धि और रक्षा के लिए सबका कर्तव्य-पालन ज़रूरी है। कर्तव्य-पालन द्वारा ही प्रत्येक कार्य पूरा होता है और देश महान बनता है।
(ख) यहाँ 'समय' का अर्थ है–संसार। संसार उन्हीं लोगों की जय-जयकार करता है, जो निरंतर अपने कर्तव्य का पालन करते हैं क्योंकि निरंतर कर्तव्य-पालन से व्यक्ति शिखर पर पहुँच जाता है। तब पूरा संसार ऐसे लोगों का उदाहरण देता है। ऐसे लोग इतिहास में अमर हो जाते हैं।

भाषा बोध

1. (क) व्य–कर्तव्य, व्यर्थ
   (ख) स्व–स्वदेश, स्वस्थ
   (ग) द्य–उद्योग, विद्यालय
   (घ) ष्ट–कष्ट, पुष्ट
   (ङ) त्व–त्वचा, अस्तित्व
2. (ख) उनके, (ग) उसका, (घ) उन, (ङ) अपने
3. (क) वतन, राष्ट्र; (ख) मानव, नर; (ग) व्यवधान, रोक; (घ) गुरु, अध्यापक; (ङ) डॉक्टर, चिकित्सक
4. (क) वर्तमानकाल–मकरध्वज मुख्य द्वार पर पहरा दे रहा है।
   भविष्यतकाल–मकरध्वज मुख्य द्वार पर पहरा देगा।
   (ख) भूतकाल–हमारा देश महान था।
   भविष्यतकाल–हमारा देश महान रहेगा।
   (ग) वर्तमानकाल–मैं अपना काम निश्चित समय पर करता हूँ।
   भूतकाल–मैं अपना काम निश्चित समय पर करता था।

रचनात्मक कार्य

(क) **संकेत :** सम्मान देना, कहना मानना, सहयोग करना, विभिन्न कार्यों में मदद करना।
(ख) बच्चे अपने विचार स्वयं प्रकट करेंगे।
(ग) **संकेत :** समय को व्यर्थ न गँवाना, अनुशासन में रहना, मित्रों से सहयोग करना व मिल-जुलकर रहना, अपने कार्य आप करना, दूसरों को किसी प्रकार का कष्ट न देना।

आओ कुछ और करें

क्रिया-कलाप पूर्ण करने में बच्चों को प्रेरित करें। किसी साथी अध्यापक को कक्षा में निमंत्रित कर उनमें बच्चों की बातचीत (साक्षात्कार) करवाई जा सकती है।

8. भारत का गौरव : अब्दुल हमीद

मौखिक

(क) मुसलिम परिवार से।
(ख) निशाना लगाने में।
(ग) मँगनी के पैटन टैंकों पर।
(घ) ''आगे बढ़ो।''
(ङ) बकरीदन

लिखित

1. (क) अब्दुल हमीद का जन्म गाज़ीपुर ज़िले के धामपुर नामक गाँव में हुआ था।
   (ख) हमीद की पढ़ाई चौथी कक्षा तक ही हुई थी।
   (ग) भारत पर चीनी आक्रमण सन् 1962 में हुआ था।
   (घ) सिलाई करना हमीद का पुश्तैनी धंधा था।
   (ङ) क्योंकि उन्होंने शान से मरने वाले, अपने देश के लिए कुर्बान हो जाने वाले बेटे अब्दुल हमीद को जन्म दिया।
2. (क) हमीद को अपना रण-कौशल दिखाने का अवसर तब मिला जब चीन ने भारत पर आक्रमण किया। यह सन् 1962 की घटना है। तब हमीद ने नेफा क्षेत्र में मोर्चे पर अपनी बहादुरी दिखाई।
   (ख) हमीद सदा फ़ौज और युद्ध के सपने देखता था। अपने सही सपने को पूरा करने के लिए वह फ़ौज में भरती हुआ था।
   (ग) हमीद ने अपनी एंटी टैंक बंदूक से पाकिस्तानी टैंकों पर धावा बोल दिया। उसके अचूक निशाने से पाकिस्तान के तीन टैंक तबाह हो गए। इस कारण पाकिस्तानी हमलावरों को मुँह की खानी पड़ी।
   (घ) कसूर के क्षेत्र में भारत और पाकिस्तान की फ़ौजों में भयंकर युद्ध हुआ था। पाकिस्तान के पैटन टैंक भारतीय क्षेत्र में घुस आए थे। यहाँ हमीद अपने साथियों के साथ आगे बढ़ा। उसने अपनी जान की परवाह न करते हुए पैटन टैंकों पर गोले बरसाने शुरू कर दिए। वह हमला करने के साथ-साथ अपने साथियों का हौंसला भी बढ़ा रहा था।
   (ङ) युद्ध में सबसे पहली ज़रूरत होती है बहादुर वीरों की लेकिन बहादुर भी अपनी बहादुरी तभी दिखा सकते हैं यदि उनके पास आधुनिक हथियार हों तो। बिना आधुनिक हथियारों के कोई सेना युद्ध नहीं जीत सकती क्योंकि गोली के सामने शारीरिक ताकत टिक नहीं सकती। आधुनिक हथियार न होने पर सैनिकों की स्थिति असहाय जैसी हो जाएगी।
3. (क) जो नौजवान अपने क्षेत्र का नाम रोशन करते हैं, उनके बारे में सभी यही सोचते हैं। हमीद ने भी अपनी जान पर खेलकर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया था इसलिए हर बस्ती यही कामना करती है कि काश! अब्दुल हमीद हमारा बेटा होता। स्वयं राही मासूम रज़ा भारत के मशहूर संवाद-लेखक थे लेकिन वे भी स्वयं को हमीद से छोटा समझते हैं।
   (ख) भारत में अलग-अलग धर्म के लोग रहते हैं

लेकिन सबके लिए देश धर्म से पहले हैं। संकट के समय सारे हिंदुस्तानी एकजुट हो जाते हैं, भले ही उनका धर्म कोई भी हो।

4. (*i*) मिट्टी (*ii*) राक्षस (*iii*) बलिदान (*iv*) पक्षी (*v*) कीमती

भाषा बोध

1. (क) जब से भैया गए हैं तब मेरा कहीं जी नहीं लगता।
   (ख) मैं सदा एक्टर बनने के ख्वाब देखता हूँ।
   (ग) युद्ध में शत्रु सेना ने भारतीय वीरों से मुँह की खाई है।
   (घ) सैनिक देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाज़ी लगा देते हैं।
   (ङ) पहला पुरस्कार पाने से मनुज का हौसला बुलंदी पर है।
2. (क) (*i*) हीरो (*ii*) मामूली (*iii*) सौगात (*iv*) पुश्तैनी (*v*) बदन (*vi*) तारीफ़ (*vii*) टैंक (*viii*) बंदूक
   (ख) वतन–देश, बदन–शरीर, सौगात–भेंट, जंग–युद्ध, दरजा–कक्षा, ख्वाब–सपना, पुश्तैनी–पैतृक, हासिल–प्राप्त, फ़ौज–सेना
3. (क) ज़रूर (ख) खूब (ग) आसानी से (घ) शान (ङ) ललकार कर
4. (क) से, (ख) का, (ग) ने, (घ) में, (ङ) से
5. अनुच्छेद–हम भी गाज़ीपुर के हैं और हम केवल यह कहना चाहते हैं कि अब गाज़ीपुर का होना गौरव की बात है। आज हिंदुसतान की हर बस्ती यह सोच रही है कि काश! अब्दुल हमीद उनका बेटा होता। हम यह नहीं कहते कि वह हमारे गाज़ीपुर के थे। हम यह कहते हैं कि हम उसके गाज़ीपुर के हैं।
   उन्होंने अपने बेटों, अपनी बेटी के लिए सौगात न भेजी, परंतु उन्होंने गाज़ीपुर को एक बहुत कीमती सौगात भेजी, परमवीर चक्र।

रचनात्मक कार्य

(क) **संकेत :** सेना में दो प्रकार के मैडल
   (*i*) युद्धकाल के मैडल–युद्ध सेवा मैडल, उत्तम युद्ध सेवा मैडल, सर्वोत्तम युद्ध सेवा मैडल, वीर चक्र, महावीर चक्र, परमवीर चक्र।
   (*ii*) शांतिकाल के मैडल–
      1. विशिष्ट सेवा मैडल, अति विशिष्ट सेवा मैडल, परम विशिष्ट सेवा मैडल, शौर्य चक्र, कीर्ति चक्र, अशोक चक्र।
      2. इस लड़ाई में हुसैन व उनके सभी समर्थक शहीद हो गए, आज भी उनकी याद में दस दिवसीय 'मुहर्रम' का आयोजन होता है।

(ख) **संकेत :** घर से दूर रहना, भयंकर सर्दी व गर्मी का सामना करना, शत्रु के हमले का सामना करना आदि।

(ग) **कर्बला की लड़ाई : संकेत :** सन 680 ई० में वर्तमान इराक देश में लड़ी गई, मुहम्मद साहिब के नाती हुसैन बिल अली धर्म के पथ पर अडिग।

आओ कुछ और करें

(क)-(ग) विद्यार्थियों का उचित मार्ग निर्देशन करें।

(घ) **संकेत :** कारगिल भारत-पाक सीमा पर स्थित, कश्मीर का हिस्सा, पाकिस्तानी सेना की मदद से कुछ आतंकियों ने वहाँ मोर्चा जमा लिया, भारत के वीर सैनिकों ने उन्हें मार भगाया, लगभग 3200 भारतीय सैनिक शहीद हुए।

(ङ) **संकेत :** सन 1971 में भारत-पाक युद्ध हुआ, युद्ध 3 दिसंबर से 16 दिसंबर तक चला, 16 दिसंबर को लगभग एक लाख पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के आगे हथियार डाल दिए, तब से 16 दिसंबर का दिन 'विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

9. मेवे फलते श्रम की डाल में

मौखिक

(क) नहीं। (ख) सफलता।
(ग) श्रम की डाल में। (घ) कर्मठ।

लिखित

1. (क) जिन्हें अपने कठिन परिश्रम पर विश्वास होता है।
   (ख) नहीं। ऐसे व्यक्ति को सफलता नहीं मिल सकती।
   (ग) जिसके मन में सच्ची लगन, दृढ़ निश्चय तथा उत्साह है।
   (घ) इतिहास हमें यह बता सकता है कि उद्यम (परिश्रम) से क्या-कुछ हो सकता है।
2. (क) किसी भी हाल में हिम्मत नहीं हारने वाले सफलता के शिखर छूते हैं। वे जो चाहते हैं, उसे प्राप्त कर लेते हैं।
   (ख) निरंतर मेहनत और अथक प्रयास से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है।
   (ग) जीवन में सफल होने के लिए हमें निरंतर मेहनत करनी चाहिए। मन में सच्ची लगन, दृढ़ निश्चय और उत्साह रखना चाहिए। कभी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए क्योंकि रोने-धोने से कुछ प्राप्त नहीं होता। कर्मठ बनकर जीना सीखना चाहिए।
3. (क) (*iii*), (ख) (*ii*), (ग) (*iv*)
4. (क) जिन लोगों को अपने कठिन परिश्रम पर विश्वास

होता है, उन्हें मनचाही सफलता मिलती है। ऐसे लोग वह सब-कुछ पा लेते हैं, जिसकी वे इच्छा करते हैं।

(ख) जिनके मन में सच्ची लगन है, दृढ़ निश्चय है, उत्साह है, उन्हें सफलता का मार्ग आसानी से मिल जाता है अर्थात ऐसे लोग शीघ्र सफलता प्राप्त कर लेते हैं।

भाषा बोध

1. कठिन × सरल, विश्वास × अविश्वास, आशा × निराशा, निश्चय × अनिश्चय, सरलता × कठिनाई, जीना × मरना

2. (ख) परिश्रम– प् + अ + र् + इ + श् + र् + अ + म् + अ
(ग) निश्चय– न् + इ + श् + च् + अ + य् + अ
(घ) इतिहास– इ + त् + इ + ह् + आ + स् + अ
(ङ) कर्मठ– क् + अ + र् + म् + अ + ठ् + अ

3. (क) परि– परिपूर्ण, परिजन; (ख) अ– अकाल, अकारण; (ग) अव– अवगुण, अवगत; (घ) अप– अपमान, अपयश; (ङ) उप– उपयुक्त, उपलक्ष्य

4. (ख) जिनको अपने कठिन परिश्रम पर विश्वास होता है।
(ग) अगर मन में सच्ची लगन, दृढ़ निश्चय और उत्साह है।
(घ) अपने जीवनकाल में कर्मठ बनकर जीना सीखो।

रचनात्मक कार्य

(क) बच्चों को प्रेरित करें कि वे इस विषय पर अपने अभिभावकों से बातचीत करें। इससे उन्हें अपार अनुभव प्राप्त होगा।

(ख) संस्मरण लिखने को प्रेरित करें। यदि बच्चे को अनुभव हुआ हो तो उन्हें इस बारे में काल्पनिक विषय दिया जा सकता है।

(ग) बच्चों को अपने विचार रखने को प्रेरित करें।

आओ कुछ और करें

संकेत : डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम : गरीब परिवार में जन्म लिया, कड़ी मेहनत की, निर्वाह हेतु अखबारें बाँटी, अपनी मेहनत के दम पर महान वैज्ञानिक बने, 'पृथ्वी' मिसाइल विकसित, भारत का नाम पूरे विश्व में रोशन किया, 'भारत रत्न' से सम्मानित हुए, भारत के राष्ट्रपति पद पर सुशोभित हुए।

10. अंधविश्वास

मौखिक

(क) एक छोटे से गाँव में।
(ख) पंडिताइन। वह पंडित के व्यवहार पर मन-ही-मन दुखी रहती थी।
(ग) लोटे में।
(घ) पंडित के।
(ङ) कुम्हार ने।

लिखित

1. (क) ब्राह्मण कुल में पैदा होने के कारण पंडित जी के मन में अभिमान था।
(ख) पंडिताइन का व्यवहार प्रेमपूर्ण व सहयोग करने वाला था।
(ग) पानी लाने पंडिताइन पड़ोसी कुम्हार के घर गई।
(घ) पंडिताइन ने पंडित जी को खाने के लिए केवल चार रोटियाँ ही दीं, और कुछ नहीं।

2. (क) पंडित जी को सही रास्ते पर लाने के लिए पंडिताइन ने उनको कई बार समझाया लेकिन इसका कोई लाभ न हुआ।
(ख) पंडित जी अपने आपको सबसे ऊँचा मानते थे। वे दूसरों को अपनी तुलना में छोटा समझते थे। उनके मन में ऊँच-नीच और छुआछूत का भाव था। इसीलिए पंडिताइन दुखी रहती थीं।
(ग) जुलाहे और कुम्हार के प्रति पंडित जी की सोच यह थी कि वे निम्न जाति के हैं। कुम्हार के घर का पानी पीने से उन्हें लगा कि उनकी तो जाति भ्रष्ट हो गई है।
(घ) पंडित जी को समझ आ गई थी कि समाज में कोई ऊँचा-नीचा नहीं है। यह देखकर पंडिताइन हृदय से प्रसन्न थीं। इसी कारण उनके चेहरे पर अनूठी शांति आई।
(ङ) जब सभी आपस में मिल-जुलकर रहेंगे तो चारों ओर शांति और खुशी फैलेगी। लोग एक-दूसरे के सहयोग से उन्नति करेंगे। लोगों के उन्नति करने से देश की उन्नति अपने-आप ही हो जाती है।

2. (क) (*iii*), (ख) (*iii*), (ग) (*iii*)

1. (क) पंडित जी को ब्राह्मण होने का बड़ा अभिमान था। छुआ-छूत में उनका गहरा विश्वास था। घर में पानी न होने पर उनकी पत्नी पड़ोसी कुम्हार के घर से पानी ले आई। पूरी बात का पता चलने पर उन्होंने तो शोर ही मचा दिया कि उनकी जाति भ्रष्ट हो गई है।
(ख) पंडित जी छुआछूत में विश्वास रखते थे। पंडिताइन ने पंडित जी को सही राह पर लाने का संकल्प किया। वे उन्हें हर व्यक्ति का महत्त्व समझाना चाहती थीं। इसी कारण उन्होंने पंडित जी से ऐसा कहा।

भाषा बोध

1. शब्दों का सही उच्चारण करवाएँ और सुंदर लेख में लिखवाएँ।
2. गाँव–गाँवों, जाति–जातियों, पंडित–पंडितों, पड़ोसी–पड़ोसियों, हाथ–हाथों, रोटी–रोटियाँ
3. (क) (ख) लगी, (ग) ले आईं, (घ) पिला दिया, (ङ) करुँ
   (ख) (क) रहती थीं, (ख) आया, (ग) हो गई, (घ) फेंक दिए, (ङ) बिछा दो
4. (क) राम! राम! कुम्हार के घर का पानी पिला दिया!
   (ख) मेरी तो जाति भ्रष्ट हो गई। हे भगवान! अब क्या करूँ?
   (ग) बनाई तो थी लेकिन फेंक दी। जिस हाँड़ी में सब्ज़ी पकाई थी, वह कुम्हार के हाथों की बनी थी।
   (घ) पानी! पानी कहाँ से लाऊँ? बरतन तो हैं नहीं, पानी किसमें भरकर लाती?

रचनात्मक कार्य

(क) **संकेत : आम आदमी :** कमीज़-पैंट, कोट-पैंट, कुरता-पजामा, कुरता-धोती आदि।
पंडित जी : भगवा कपड़े, जनेऊ, माथे पर तिलक आदि।

(ख) **संकेत : पंडित :** मंदिर में पूजा-अर्चना, आम लोगों के घरों में हवन, पूजा-पाठ, विवाह-शादी में मंत्रोच्चार आदि।
कुम्हार : मिट्टी के बरतन बनाना।
ग्वाला : दुधारू पशु पालना व दुहना।

(ग) **संकेत :** छुआ-छूत उचित नहीं, मानवता के प्रति पाप, प्रत्येक मनुष्य की रचना भगवान ने की है, उसकी रचना में कौन छोटा और कौन बड़ा, छुआ-छूत के कारण समाज बँट जाता है, कुछ लोग समाज का अंग नहीं बन पाते, उनके अधिकार छीने जाते हैं।

आओ कुछ और करें

(ग) **संकेत :** छुआ-छूत पर पाबंदी; उल्लंघन करने वाले को कठोर दंड; कुछ विशेष रियायतें, जैसे–विभिन्न प्रकार के आरक्षण (शिक्षा में, नौकरी में, चुनाव लड़ने में आदि।)

(घ) गाँवों में खेती-बाड़ी संबंधी तथा लघु उद्योग संबंधी जैसे–ईंटें बनाना, बरतन बनाना, पशु-पालन, मुरगी-पालन आदि रोज़गार उपलब्ध।

11. दोहे

मौखिक

(क) मीठी। मन मोहने वाली।
(ख) गुरु।
(ग) सिल पर भी निशान पड़ जाता है।
(घ) छोटों को।
(ङ) सुख।

लिखित

1. (क) मीठी बोली से बोलने और सुनने वाले दोनों का मन प्रसन्न होता है।
   (ख) गुरु और गोविंद में गुरु प्रथम वंदनीय हैं।
   (ग) 'अति' जीवन के हर क्षेत्र में वर्जित है। भले ही बोलना हो या चुप रहना।
   (घ) निरंतर अभ्यास करने से मूर्ख भी कुशल एवं बुद्धिमान बन जाते हैं।
   (ङ) मेहँदी बाँटने वाले के हाथ में मेहँदी का रंग लग जाता है।
2. (क) गुरु ही भगवान से मिलने का उपाय बताते हैं। यदि गुरु न हो तो भगवान से मिलना भी न हो पाएगा। इसीलिए गुरु का स्थान भगवान से श्रेष्ठ माना गया है।
   (ख) जब किसी को यह महसूस होता है कि दूसरों के पास उससे अधिक है या दूसरे उससे अधिक सुखी है, तब उसका मन ललचाता है।
   (ग) किसी भी कार्य की अति अच्छी नहीं होती। इससे जीवन में संतुलन नहीं आता। ज़रा सोचो, यदि लगातार वर्षा ही होती रहे और सूरज के दर्शन ही न हों तो क्या होगा।
   (घ) जीवन में अभ्यास का बहुत अधिक महत्त्व है। निरंतर अभ्यास से कोई भी विद्या सीखी जा सकती है। निरंतर अभ्यास से तो निपट मूर्ख भी कई कलाओं में निपुण हो जाते हैं।
   (ङ) यदि हम जीवन में अच्छे लोगों के साथ रहें तो हमारा जीवन ही बदल जाता है। उनके सारे गुण धीरे-धीरे हमारे अंदर भी आने लगते हैं। अच्छे लोग सदा अच्छे कार्य करते हैं। उनके प्रभाव से हमारे कार्य भी सुंदर और रचनात्मक हो जाते हैं। स्वभाव विनम्र हो जाता है। समाज में हमारा मान-सम्मान बढ़ता है।
3. (क) (*ii*), (ख) (*ii*)
4. (क) महापुरुषों ने कहा है कि 'अति' कोई भी हो, बुरी ही होती है। न तो अधिक बोलना अच्छा है और न ही अधिक चुप रहना। जैसे न तो बहुत अधिक वर्षा अच्छी है क्योंकि इससे बाढ़ का खतरा हो जाएगा। इसी प्रकार न ही बहुत अधिक धूप का होना अच्छा है, इससे सूखे का खतरा हो जाएगा।

(ख) रहीम जी कहते हैं कि यदि आपका मेल-जोल बड़ों के साथ हो जाए तो छोटों को छोड़ नहीं देना चाहिए। सबका अपना महत्त्व होता है। जिस प्रकार एक सुई तलवार से बहुत छोटी होती है लेकिन जो काम सुई कर सकती है, वही काम तलवार से नहीं किया जा सकता।

भाषा बोध

1. वाणी– बोली, वचन; बड़ा– सम्मानित, ऊँचा; पाँव– चरण, पैर; गोविंद– भगवान, ईश्वर; अति– अधिक, ज़्यादा
2. 1.–(*ii*), 2.–(*i*), 3.–(*iv*), 4.–(*v*), 5.–(*iii*)
3. (*i*) बड़े–बड़ेन (*ii*) खाकर–खाइके
4. आपहुँ, गोविंद, मेहँदी, जहाँ, ठंडा, संग

रचनात्मक कार्य

(क) **संकेत :** एकलव्य को गुरु द्रोणाचार्य ने शिष्य नहीं बनाया, एकलव्य ने द्रोणाचार्य की मूर्ति बनाई और उन्हें अपना गुरु मान लिया, निरंतर अभ्यास से वह अर्जुन से भी अच्छा धनुर्धर बन गया। विद्यार्थी अपना कोई अनुभव भी सुना सकते हैं।

(ख) एवं (ग) हेतु विद्यार्थियों से उनके अपने विचार सुनें तथा उचित मार्ग-दर्शन करें।

आओ कुछ और करें

आधुनिक दोहे :

(*i*) जंगल-जंगल सब घूमे, दिखा कहीं न मोर।
एक गली खुस चलो, सौ मिलेंगे चोर।।

(*ii*) धरती पे धुआँ भया, धुआँ भया अकाश।
साँस को हवा नहीं, निकट भया विनाश।।

(*iii*) कबीरा बैठा पेड़ पे, बैठा गीत सुनाए।
सब मोबाइल में मस्त हैं, कोई न सुनने जाए।।

(*iv*) मैया मोरी मैं नाहिं पार्क जाऊँ।
टी०वी० चलाइके, पीज़ा खाइके, बैठा पेट फुलाऊँ।।

12. खूबसूरती का प्रतीक : गोवा

मौखिक

(क) गोवा की संस्कृति अति प्राचीन है।
(ख) 19 दिसंबर, 1961 को।
(ग) पणजी।
(घ) 60 प्रतिशत।

लिखित

1. (क) मौज-मस्ती और सैर-सपाटे का नाम सुनते ही गोवा राज्य का ध्यान आता है।
(ख) गोवा का प्राचीन नाम 'कोंकण काशी' है।
(ग) गोवा में पुर्तगालियों का शासन पाँच सौ साल तक रहा।
(घ) गोवा भारत की पश्चिम दिशा में स्थित है।
(ङ) गोवा को पूर्ण राज्य का दरजा 12 अगस्त, 1987 को मिला।

2. (क) गोवा में यूरोपीय संस्कृति का प्रभाव इसलिए झलकता क्योंकि यहाँ 500 सालों तक पुर्तगालियों का शासन रहा और पुर्तगाल एक यूरोपीय देश है।
(ख) गोवा के प्रमुख उद्योग हैं–नियति, खेती बाड़ी और पर्यटन। गोवा का काजू और लौह खनिज विदेश निर्यात होता है। यहाँ चावल तथा नारियल की भी पैदावार होती है। मत्स्य उद्योग भी यहाँ का प्रमुख उद्योग है। वैसे पर्यटन गोवा का सबसे बड़ा उद्योग है। यहाँ हर साल लाखों पर्यटक आते हैं।
(ग) गोवा के मुख्य चर्च हैं–सेंट फ्रांसिस, होली स्पिरिट, सालीगांव, रकोल सेमिनरी, सेंट काजरन चर्च, सेंट आगस्टीन टॉवर, ननरी ऑफ़ सेंट मोनिका तथा सेंट एरक्स।
गोवा के प्रसिद्ध मंदिर हैं–कामाक्षी मंदिर, सप्तकेटेश्वर मंदिर, श्री शांतादुर्ग, भगवती मंदिर और महालक्ष्मी मंदिर।
(घ) गोवा की राजधानी पणजी है। यह एक आकर्षक नगर है, जिसमें आधुनिक बाज़ार हैं। यह शहर मांडवी नदी के तट पर बसा है। शाम के समय पर्यटक इस नदी में तैरते क्रूज़ पर संगीत और नृत्य का आनंद लेते हैं। यहाँ कई फुटबॉल क्लब भी हैं।
(ङ) पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं।
(*i*) पर्यटकों की सुविधाओं तथा सुरक्षा पर पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए।
(*ii*) पर्यटन-स्थलों को साफ़-सुथरा रखना चाहिए ताकि वहाँ का आकर्षण बना रहे।
(*iii*) पर्यटन-स्थलों पर मनोरंजन की उचित सुविधा होनी चाहिए।
(*iv*) पर्यटन-स्थलों का आकर्षक प्रचार होना चाहिए।

2. (क) (*ii*), (ख) (*ii*), (ग) (*iv*), (घ) (*i*)

भाषा बोध

1. (क) गोपराष्ट्र, (ख) शासक, (ग) आज़ादी, (घ) क्षेत्रफल, (ङ) मंदिर
2. ्र – समुद्र, प्रसिद्ध ्र – राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीय
र् – पर्यटक, मार्ग र – सुंदरता, राजधानी

3. (क) गोवा की संस्कृति अति प्राचीन है।
(ख) 12 अगस्त, 1987 को यह पूर्ण राज्य बना।
(ग) पर्यटन जीवन का महत्त्वपूर्ण अंग है।
(घ) गोवा में दो ही ज़िले हैं।

13. मैं तो वही खिलौना लूँगा

मौखिक

(क) खिलौना
(ख) सोने से बने खिलौने से।
(ग) बालक ने।
(घ) दास-दासियाँ।
(ङ) मिट्टी का गुड्डा।

लिखित

1. (क) यह ज़िद एक गरीब बच्चा तथा एक शिशु राजकुमार कर रहा था।
(ख) स्वर्ण निर्मित खिलौने को देखकर माँ दुखी हो गई।
(ग) राजपुत्र मिट्टी के खिलौने से नहीं खेलता।
(घ) राजपुत्र का खिलौना सोने से बना था।
(ङ) उसने मिट्टी के खिलौने को मिट्टी में फेंक दिया।

2. (क) दीना के लाल ने राजकुमार को सोने से बने खिलौने से खेलता हुआ देख लिया था।
(ख) बच्चे की माँ बहुत गरीब थी। वह अपने पुत्र की ज़िद को पूरा नहीं कर सकती थी। वह उसे सोने से बना गुड्डा लाकर नहीं दे सकती थी इसलिए वह व्यथित हो गई।
(ग) राजपुत्र के रोने से महल में जैसे तूफ़ान आ गया। सब दास-दासियाँ उसके रोने का कारण जानने को दौड़ पड़े।
(घ) 'रजत-हेम-उपहार' का अर्थ है–चाँदी-सोने से बने खिलौने।
(ङ) छोटे-छोटे बच्चे कोई भी हठ कर सकते हैं। वे हाथी या ऊँट पर चढ़ने की ज़िद कर सकते हैं। ऊँचे झूले में झूला झूलने का हठ कर सकते हैं। ऐसे अनेक उदाहरण दिए जा सकते हैं, जैसे–पेड़ पर चढ़ना, तिल्ली पकड़ना, साइकिल लेना, चॉकलेट लेना, खाना न खाना, होमवर्क न करना, टी०वी० पर अपना मनपसंद कार्यक्रम देखना आदि।

3. (क) (*ii*), (ख) (*iii*), (ग) (*i*)

4. (क) पुत्र को अपनी माँ के कथन पर विश्वास नहीं होता। यहाँ वह कहना चाह रहा है कि मैं मान ही नहीं सकता कि राजकुमार मिट्टी के खिलौने से खेलेगा।
(ख) गरीब स्त्री का पुत्र मचल गया और ज़िद करने लगा कि मैं तो वही खिलौना लूँगा (जैसा उसने राजकुमार के पास देखा था)।

भाषा बोध

1. (क) राजा के घर! नहीं-नहीं माँ,
तू मुझको बहकाती है।
(कविता में अल्पविराम है लेकिन यहाँ पूर्णविराम आएगा क्योंकि आगे की पंक्तियाँ नहीं दी गईं।)
(ख) खेल रहा था उछल-उछलकर,
वह तो उसी खिलौने से।
(ग) राजहठी ने फेंक दिए सब,
अपने रजत-हेम-उपहार।

2. (*i*) राजा का महल, (*ii*) राजा की गद्दी, (*iii*) राजा की नीति, (*iv*) राजा का पथ, (*v*) राजा का भवन, (*vi*) राजा का भक्त

3. (क) र् + आ + ज् + अ + प् + उ + त् + र् + अ
(ख) र् + आ + ज् + अ + ह् + अ + ठ् + ई
(ग) ब् + आ + र् + अ + म् + ब् + आ + र् + अ

4. (ख) उसने मिट्टी में फेंक दिया।
(ग) सब दास-दासियाँ दौड़ पड़े।
(घ) उछल-उछलकर खेल रहा था।
(ङ) राजहठी ने सब फेंक दिए।

रचनात्मक कार्य

(क) **मिट्टी के खिलौने :** विशेष प्रकार की मिट्टी का प्रयोग होता है, मिट्टी साँचों में ढाली जाती है; साँचों से निकालकर नुकीले यंत्रों से सँवारा जाता है; सुखाया जाता है; फिर रंग भरे जाते हैं।
सोने के खिलौने : सोने को पिघलाया जाता है, मज़बूती के लिए कोई अन्य धातु (ताँबा आदि) मिलाई जाती है, साँचों की मदद से मनचाहा आकार दिया जाता है, तैयार होने पर चमक के लिए पॉलिश आदि की जाती है।
वैसे आजकल हर प्रकार के खिलौने ऑटोमैटिक मशीनों से तैयार किए जाने लगे हैं।
(ख) एवं (ग) हेतु बच्चों का मार्ग-दर्शन करें।

14. सुनो सबकी करो मन की

मौखिक

(क) पशु-मेले में।
(ख) घुड़सवार।

(ग) पनघट से लौटती स्त्रियों ने पानी से भरे मटकों के साथ अपने बच्चों को भी उठा रखा था।
(घ) साधु से।
(ङ) नदी पर कच्चा पुल था।

लिखित

1. (क) दुनिया हर हालत में आलोचना करती है, चाहे कुछ भी कर लो।
   (ख) बुढ़िया की बात सुनकर बेटा टट्टू से उतर गया और पिता को टट्टू पर सवार होने को कहा।
   (ग) किसान अपना माथा थामकर बीच पुल में बैठ गया।
   (घ) व्यक्ति को खूब सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए।
   (ङ) कच्चे पुल पर शोर सुनकर टट्टू छटपटाने लगा और वह नदी में जा गिरा।
2. (क) महापुरुषों का दुनिया के प्रति दृष्टिकोण यह रहा है कि दुनिया आलोचना ज़रूर करती है। व्यक्ति को अपने काम का निर्णय कर लेना चाहिए, फिर दुनिया जो मर्ज़ी कहे।
   (ख) बुढ़िया ने किसान को पैदल चलते देखा। किसान का जवान बेटा टट्टू पर सवार था। उसने इस बात की आलोचना की कि बूढ़ा बाप तो पैदल चल रहा है जबकि जवान बेटा टट्टू पर सवार है।
   (ग) पनघट पर खड़ी एक स्त्री बोली कि पहले ज़माने में माँ-बाप अपने बच्चों को तकलीफ़ नहीं होने देते थे। अब उल्टा ज़माना आ गया है। बाप तो मज़े से टट्टू पर सवार है जबकि बेटा पैदल ही चल रहा है।
   (घ) टट्टू की चारों टाँगें बँधी थीं। दर्द के मारे उसका बुरा हाल था। उसकी हालत देख नदी में नहाते लोग शोर मचाने लगे। टट्टू छटपटाने लगा और नदी में गिर गया।
   (ङ) जब अपना निर्णय बार-बार बदलना पड़े तो परिणाम होता है—काम का नाश और समय की बरबादी। बार-बार निर्णय बदलने से व्यक्ति दुविधा में रहता है। एक निर्णय पर पहुँचते-पहुँचते उसे उसमें नुकसान नज़र आने लगते हैं। उसके मन में नकारात्मक विचार आते रहते हैं। परिणामस्वरूप वह कुछ भी अच्छा नहीं कर पाता।
3. (क) (*iii*), (ख) (*i*), (ग) (*iii*)
4. यह बात सत्य है कि हमें जो भी निर्णय करना चाहिए, वह खूब सोच-विचारकर करना चाहिए। सभी निर्णय सबको पसंद नहीं आ सकते। सबके विचार भिन्न होते हैं। किसी को कुछ पसंद है तो किसी को कुछ। इसीलिए अपने सोचे-विचारे निर्णय पर अडिग रहना चाहिए।

भाषा बोध

1. (क) (*i*) आगे बढ़ना, (*ii*) प्रशंसा, (*iii*) युवा, (*iv*) सवाल, (*v*) नज़दीक, (*vi*) शैतान
   (ख) (*i*) जगत, (*ii*) पिता, (*iii*) पुत्र, (*iv*) मस्तक, (*v*) लज्जा, (*vi*) डरपोक, (*vii*) कष्ट, (*viii*) प्रयास
2. (*i*) ज़माना, (*ii*) तकलीफ़, (*iii*) मज़े, (*iv*) सफ़र, (*v*) बेज़ुबान
3. (*ii*) घुड़सवार चला गया **और** किसान आगे बढ़ गया।
   (*iii*) लड़का टट्टू पर बैठा था **और** किसान पैदल चल रहा था।
   (*iv*) किसान का बेटा टट्टू से उतरा **और** किसान उस पर सवार हो गया।
   (*v*) बाप-बेटा टट्टू से उतरे **और** उन्होंने साधु से माफ़ी माँगी।
4. (*i*) महात्मा, (*ii*) भेजना, (*iii*) टट्टू, (*iv*) पुत्र, (*v*) महापुरुष, (*vi*) हार, (*vii*) रजनी, (*viii*) नीला, (*ix*) जहाज, (*x*) रुक, (*xi*) लावा

रचनात्मक कार्य

बच्चों को अपने विचार प्रकट करने हेतु प्रेरित करें।

आओ कुछ और करें

(क) **संकेत :** गधे और घोड़े के बीच का पशु, बहुत उपयोगी पशु, पुराने समय में लगभग हर धोबी के पास होता था, भार ढोने में अति उत्तम, पहाड़ी व टेढ़े-मेढ़े रास्तों पर आसानी से चल लेता है, भयंकर सरदी व गरमी सहन कर सकता है, आज्ञाकारी।
(ख) बच्चे स्वयं अपने विचार प्रस्तुत करें।

15. महान वैज्ञानिक : जगदीश चंद्र बसु

मौखिक

(क) बालक शाम के समय, बगीचे में गेंद से खेल रहा था।
(ख) माँ ने।
(ग) जगदीश चंद्र बसु ने।
(घ) किसानों और मछुआरों के बच्चे।

लिखित

1. (क) जगदीश चंद्र बसु का जन्म मेमन सिंह नामक स्थान पर हुआ। यह स्थान आजकल बाँग्ला देश में है।
   (ख) सेंट जेवियर्स कॉलेज में दाखिले के समय उनकी उम्र 13 वर्ष थी।

(ग) विज्ञान की उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वे इंग्लैंड गए।
(घ) बेतार के तार की खोज सन् 1895 में हुई।
(ङ) उनकी सबसे महत्त्वपूर्ण खोज पेड़-पौधों में प्राणों का पता लगाना थी।

2. (क) माँ की बात सुनकर बालक सोचने लगा—क्या पेड़-पौधों में भी जान होती है? क्या वे भी मनुष्य की तरह खाना खाते, दुखी और खुश होते हैं? आदि।
(ख) अंग्रेज़ों की नीतियों के विरुद्ध जगदीश चंद्र बसु ने विद्रोह किया क्योंकि उस समय कानून सबके लिए समान नहीं थे। भारतीयों को अंग्रेज़ों से बहुत कम वेतन दिया जाता था।
(ग) इसके पीछे उनकी मंशा (इच्छा) थी कि भारतीयों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश न जाना पड़े।
(घ) उन्होंने कुछ यंत्र बनाए और पेड़ों की क्रियाएँ परदे पर साफ़-साफ़ दिखा दीं। इस प्रकार उन्होंने सिद्ध कर दिया कि पेड़-पौधे भी सजीव होते हैं।
(ङ) पेड़-पौधों से हमारे जीवन पर बड़ा सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पेड़-पौधे हमारे जीवन को उन्नत करते हैं। वे हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं। औषधियाँ, लकड़ी के साथ-साथ वे हमें फल-फूल भी देते हैं। पर्यावरण में संतुलन बनाए रखने में वे अति उपयोगी हैं। पेड़-पौधों के बिना मानव-जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

3. (क) *(iii)*, (ख) *(iv)*, (ग) *(ii)*

भाषा बोध

1. (क) जगत् + ईश, (ख) पाठ + शाला, (ग) विज्ञान + इक, (घ) देह + अंत

2.

शब्द		उपसर्ग	मूलशब्द	प्रत्यय
स्वदेश	–	स्व	देश	×
सफलता	–	×	सफल	ता
महत्त्वपूर्ण	–	×	महत्त्व	पूर्ण
जादूगर	–	×	जादू	गर
विनम्रता	–	वि	नम्र	ता
अवकाश	–	अव	काश	×
विज्ञान	–	वि	ज्ञान	×

3.

न्न	– संपन्न, प्रसन्न	प्त	– समाप्त, प्राप्त
द्व	– द्वेष, द्वितीय	र्	– धार्मिक, पर्यटक
्र	– प्रभात, उपद्रव	्र	– ड्रामा, राष्ट्रीय

4. और – बाईं **ओर** चलो।
और – **और** गोलगप्पे मत खाओ।

प्रमाण – यह काम तुमने ही किया है, इसका **प्रमाण** लाओ।
प्रणाम – मैं हर रोज़ अपने माता-पिता को **प्रणाम** करता हूँ।
ग्रह – क्या तुम जानते हो, आकाश में कितने **ग्रह** हैं?
गृह – मुझे मालूम है कि **गृह** को घर भी कहते हैं।

रचनात्मक कार्य

(क) **संकेत :** पेड़ रात को कार्बन-डाई-आक्साइड छोड़ते हैं। यह गैस स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।
(ख) **संकेत :** पेड़ अपना भोजन जड़ों से प्राप्त करते हैं, मिट्टी में घुले लवणों को सोखते हैं।
(ग) पीपल

आओ कुछ और करें

क्रिया-कलाप पूर्ण करने में बच्चों को मार्ग-निर्देश दें।

16. एकता का प्रतीक है- कौए

मौखिक

(क) कर्णकटु।
(ख) आम।
(ग) इसकी अनेक प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जैसे—डोम कौआ, देशी कौआ आदि।
(घ) पहाड़ी क्षेत्रों में । कश्मीर की घाटी में यह बहुतायत से मिलता है।
(ङ) शैतान, चालाक, धूर्त परंतु कौओं में एकता सबसे सुंदर उदाहरण है।

लिखित

1. (क) कौए को काम और वायस नाम से भी जाना जाता है।
(ख) भारत में कौआ पंजाब, राजस्थान तथा पश्चिमोत्तर प्रदेशों में अधिक पाया जाता है।
(ग) डोम कौआ उड़ते हुए जब कबूतर की तरह कलाबाज़ी करता है, तब यह कबूतर की तरह लगता है।
(घ) देशी कौए अच्छे-अच्छे खाद्य पदार्थों के साथ-साथ सड़ी-गली और गंदी वस्तुएँ खाते हैं।
(ङ) कौआ फ़सलों को नष्ट करने वाले कीड़े-मकौड़े खाकर किसानों की सेवा करता है।

2. (क) कौआ आमतौर पर घर-आँगन में आ जाता है। इसे दुकानों और खेत-खलिहानों में भी देखा जा सकता है। इस प्रकार यह सदियों से मानव से जुड़ा है।
(ख) कौआ बहुत चालाक होता है। यह घर-आँगन से भोजन तथा पक्षियों के घोंसलों से अंडे और

उनके नन्हें बच्चे चुरा लेता है। कई बार यह बच्चों के हाथ से रोटी या मिठाई लेकर उड़ जाता है।

(ग) जब कभी कोई कौआ मर जाता है तो अनेक कौए इकट्ठे होकर काँव-काँव करने लगते हैं। तब ऐसा लगता है जैसे ये मृत्यु के कारण खोज रहे हों। इस प्रकार ये अपनी एकता का सुंदर उदाहरण पेश करते हैं।

(घ) कोयल अवसर पाकर अपने अंडे कौए के घोंसले में रख देती है। मादा कौआ समझती है कि ये अंडे उसके (मादा कौए के) हैं। वह इन अंडों की तथा उससे पैदा हुए बच्चों की पूरी देखभाल करती है।

(ङ) पक्षी कई प्रकार से पर्यावरण-संतुलन में सहायक होते हैं। कौए सड़ी-गली और गंदी वस्तुएँ खाकर पर्यावरण को शुद्ध करते हैं। ये फ़सलों को नष्ट करने वाले कीड़े-मकौड़ों को भी खा जाते हैं। कई पक्षी फलों को नष्ट करने वाले कीड़ों को खा जाते हैं।

3. (क) (*i*), (ख) (*i*)

4. (क) कौए सामाजिक प्राणी हैं। वे समाज बनाकर रहते हैं। अपने किसी साथी की मृत्यु पर वे दुखी भी होते हैं और उसकी मृत्यु का कारण जानने की कोशिश भी करते हैं। उनमें अनूठा भाई-चारा होता है।

(ख) कोयल चतुराई से अपने अंडे कौए के घोंसले में रख देती है। इससे वह अपने बच्चों की देखभाल से छुटकारा पा लेती है लेकिन यदि कभी उसकी चालबाज़ी पकड़ी जाए तो कौआ उसे जान से मार डालता है।

भाषा बोध

1. काँव-काँव, खेत-खलिहान, रंग-रूप, कीड़े-मकौड़े, अच्छे-अच्छे, मार-मार

2. (क) काँव-काँव, (ख) आँगन, (ग) रंग, (घ) बाएँ, (ङ) गाँव, (च) संख्या, (छ) अंडे, (ज) प्रजातियाँ, (झ) पंजाब, (ञ) चोटियाँ

3. (क) कटु, (ख) अपरिचित, (ग) शहरों, (घ) समाप्त, (ङ) मूर्खता

4. (क) में, (ख) का, (ग) से, (घ) का, (ङ) से

रचनात्मक कार्य

(क) **संकेत :** सड़ी-गली व गंदी वस्तुएँ खाना, फ़सलों के लिए हानिकारक कीड़े-मकौड़े खाना, पर्यावरण को शुद्ध रखना।

(ख) **संकेत :** मानव-समाज में कौओं का आदर भी और अनादर भी; इसकी काँव-काँव से तंग होकर इसे भगाते हैं; लोग मानते हैं कि जब कौआ मुँडेर पर बैठकर काँव-काँव करता है, तब घर में कोई मेहमान आता है; सूचना देने वाला; पितृ-पक्ष में हिंदू इसे खाद्यान्न खिलाते हैं; वे मानते हैं कि कौए द्वारा खाया जाने वाला खाद्यान्न उनके पूर्वजों तक पहुँचेगा।

आओ कुछ और करें

क्रिया-कलाप पूर्ण करने हेतु बच्चों को मार्ग-दर्शन करें।

17. यमराज का निमंत्रण

मौखिक

(क) महल में। (ख) एक राजा।
(ग) राजा का गुणगान करते रहना।
(घ) राजा को नरक ले जाने। (ङ) प्रजा।

लिखित

1. (क) भाट के अनुसार राजा को कम-से-कम सौ वर्ष तक राज करना चाहिए।

(ख) यमदूत को राजा के घर यमराज ने भेजा।

(ग) राजा को दौड़ने के लिए यमदूत ने यह शर्त रखी कि वह ऐसे तीन लोगों से मिलवा दे जो उसकी मृत्यु से दुखी हों।

(घ) पंडित गुणगानी के अनुसार राजा बहुत घमंडी था।

(ङ) जब राजा ने जान लिया कि कोई भी उसकी मृत्यु से दुखी नहीं है तो उसका भ्रम दूर हो गया।

2. (क) पंडित गुणगानी ने कहा कि उसके (अभिमान सिंह के) चलने से पृथ्वी डगमगाती है, हिमालय थर्राता है और शेषनाग की पीठ पर छाले पड़ जाते हैं। उसके अनुसार सूरज-चाँद भी राजा अभिमान सिंह के प्रताप से ही चमकते थे।

(ख) राजा ने यमदूत को धमकाया कि उसके पहरेदार उसके (यमदूत के) हाथों में हथकड़ी पहनाकर उसे कालकोठरी में डाल देंगे। राजा समझता था कि उसके बिना पृथ्वी का सारा काम-काज ठप्प हो जाएगा।

(ग) यमदूत ने एक-एक कर राजा की पत्नी, राजा के मंत्री और भाट को बुलवाया। उसने उनसे पूछा कि क्या वे राजा के मरने से दुखी थे। सबने इनकार कर दिया। इस तरह यमदूत ने राजा का भ्रम दूर करवाया।

(घ) यमदूत ने राजा को बताया कि वह मर चुका है। और मरे हुए लोगों का जीवित लोगों से

कोई संपर्क नहीं रहता इसलिए उसने कहा, 'अब तुम्हारी आवाज़ कोई नहीं सुन सकता।'

(ङ) चापलूस प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों के साथ रहने से कई प्रकार की हानियाँ होती हैं। ऐसे लोग बिना सोचे-विचारे हाँ-में-हाँ मिलाते हैं। वे सदा अपने फ़ायदे के बारे में ही सोचते हैं और हमें गलत चीज़ों या आदतों के बारे में सावधान नहीं करते।

3. (क) (*i*), (ख) (*ii*), (ग) (*ii*)

4. (क) ये शब्द यमदूत ने राजा से कहे थे। उसने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि राजा को अपने ऊपर बहुत घमंड था। उसे भ्रम था कि पूरी पृथ्वी का काम-काज उसके कारण ही चल रहा है। उसे यह भी भ्रम था कि उसकी प्रजा उसे बहुत प्यार करती थी।

(ख) ये शब्द मंत्री ने यमदूत से कहे थे। मंत्री का कहना था कि राजा किसी की बात सुनते ही नहीं थे, बस अपनी ही कहते रहते थे। जो किसी की न सुने और अपनी की कहता रहे, ऐसा व्यक्ति सबको पागल ही लगता है।

भाषा बोध

1. (क) अरे द्वारपाल, जयपाल, हरपाल और कोई है! दौड़ो, यह दुष्ट हमारे प्राण लिए जा रहा है।

(ख) दूतराज, मैं आपके साथ चलने को तैयार हूँ, पर मेरे न रहने से राज्य का सारा काम-काज बिगड़ जाएगा।

2. **जातिवाचक संज्ञा :** मंत्री, पंडित, द्वारपाल, पागल
व्यक्तिवाचक संज्ञा : यमराज, सरस्वती, हरपाल, यमदूत
भाववाचक संज्ञा : अभिमान, प्रसन्नता, दुख, परेशानी

3. (क) मैं, (ख) तुम्हारी, (ग) मुझे (**मैं को** के स्थान पर), (घ) तुम्हारी

4. (क) चमकते हैं, (ख) बहुत, (ग) जल्दी, (घ) से, (ङ) फूला रहता, (च) दुष्ट

5. (*i*) प्र**शं**सा, (*ii*) सर**स्व**ती, (*iii*) शे**ष**नाग, (*iv*) खु**श**, (*v*) रि**श्व**त, (*vi*) **स**मुद्र

भाषा खेल

शुरुआत करने के बच्चों को एक-एक शब्द दे सकते हैं या कोई वर्ण सुझा सकते हैं, जिससे बने शब्द से शुरुआत करनी हो।

रचनात्मक कार्य

(क) बच्चों को प्रेरित करें व उचित निर्देश दें।

(ख) **संकेत :** बिलकुल सही है, हास्य उत्पन्न करने के लिए 'यमराज का बुलावा' के स्थान पर 'यमराज का निमंत्रण' शीर्षक रखा गया है। कोई अन्य शीर्षक बच्चे सुझाएँ तो अति उत्तम होगा। इसके लिए उन्हें प्रेरित करें।

आओ कुछ और करें

संकेत : नाटक दर्शकों के सामने प्रत्यक्ष, यदि कोई गलती हो जाए तो सुधारने का कोई अवसर नहीं, जो हो गया सो हो गया, जो बोला गया सो बोला गया। फ़िल्म दर्शकों के सामने प्रत्यक्ष प्रस्तुत नहीं होती, इसमें गलतियों को सुधारने के अवसर होते हैं।

मॉडल प्रश्न पत्र – I

1. (क) घर छोड़ते समय लोग झिझकते हैं और परेशान होते हैं कि उन्हें सफलता मिलेगी या नहीं।

(ख) काला हिरन बहुत बुद्धिमान होता है और वह दूसरे हिरनों से ज़्यादा तेज़ दौड़ सकता है।

(ग) हरियाली का प्रतीक हरा रंग है।

(घ) हेडमास्टर साहब की तसवीर एक बच्चे (लेखक) ने बनाई।

(ङ) भगवान को मंदिर, मसजिद, गिरजाघर आदि ने बाँट रखा है।

(च) दीवान पद के लिए मंदाग्नि के मरीज़ों को आने की मनाही थी।

(छ) कर्तव्य का अर्थ है–वे कार्य जो हमें करने चाहिए।

(ज) अब्दुल हमीद एक सामान्य दरज़ी परिवार से संबंधित थे।

2. (क) हेडमास्टर साहब के प्रति छात्रों का व्यवहार उचित नहीं था। वे (छात्र) उनके सामने तो डरकर रहते थे लेकिन उनके पीठ पीछे उनका मज़ाक उड़ाते थे।

(ख) पं० जानकीनाथ में ही ऐसे गुण थे जो सुयोग्य दीवान के लिए ज़रूरी थे। उनके मन में गरीबों के लिए दया थी। आम नागरिकों के लिए प्रेम व सहानुभूति थी। एक असहाय किसान की गाड़ी पार लगाने से उन्होंने इसे सिद्ध कर दिया था।

(ग) समाज के प्रति आम आदमी के कर्तव्य हैं कि वह किसी की बुराई न करे। दूसरों को नुकसान न पहुँचाए।

(घ) हमीद सदा फ़ौज और युद्ध के सपने देखता था। अपने इसी सपने को पूरा करने के लिए वह फ़ौज में भरती हुआ था।

3. (क) लाल (ख) सभी में (ग) मोती का (घ) झील पर

4. बूँद–बूँदें, बत्ती–बत्तियाँ, हवा–हवाएँ, नाला–नाले

5. अद्‌भुत– अ + द् + भ् + उ + त् + अ
हिरन– ह् + इ + र् + अ + न् + अ
पहाड़ी– प् + अ + ह् + आ + ड़् + ई
स्कूल– स् + क् + ऊ + ल् + अ

6. अनुशासन, बिलकुल, गंभीर, पाँचों

7. ज़िंदगी, ऊँचा, मुँह, परंतु

8. हिंसक × अहिंसक; उपस्थित × अनुपस्थित; विश्वास × अविश्वास; काला × सफ़ेद

9. **संकेत :** शिकार पर पाबंदी लगाना, सुरक्षित अभ्यारण्य स्थापित करना, समय-समय पर उनकी गिनती करवाना, बीमार जानवरों को जंगल में खोजकर उनका उचित उपकार करना, जंगलों पर सतर्क निगरानी रखना।

10. **संकेत :** परिणाम का दिन, सब बच्चे स्कूल पहुँचे, कक्षा-अध्यापिका ने परिणाम सुनाया, पूरी कक्षा पास, मैंने कक्षा में चौथा स्थान पाया, बहुत प्रसन्नता हुई, सब मित्रों ने एक-दूसरे को बधाई दी, विशेषकर मानव को, वह कक्षा में प्रथम आया, पूरा दिन उत्सव की भाँति गुज़रा।

मॉडल प्रश्न पत्र – II

1. (क) कठिन परिश्रम से सफलता का मार्ग मिलता है।
(ख) इनमें से पंडिताइन दुखी रहती थीं।
(ग) गोवा का प्राचीन नाम 'कोंकण काशी' है।
(घ) राजपुत्र का खिलौना सोने से बना था।
(ङ) वह अपने पुत्र के साथ पशु-मेले में गया।
(च) दुनिया को यह जानकारी जगदीश चंद्र बसु ने दी।
(छ) कौआ स्वभाव से एक सामाजिक प्राणी है।
(ज) यमदूत राजा को ले जाने के लिए आया था।

2. (क) मीठी वाणी बोलने से बोलने और सुनने वाले दोनों का मन प्रसन्न होता है। इससे प्रेम और सद्‌भाव बढ़ता है।
(ख) दुनिया हर स्थिति में आलोचना करती है। आप कुछ भी करें किसी-न-किसी को उसमें कमी नज़र आ ही जाती है।
(ग) जगदीश चंद्र बसु की सबसे महत्त्वपूर्ण खोज पेड़-पौधों में प्राणों का पता लगाना था। उन्होंने दुनिया को बताया कि पेड़-पौधे भी मानव की तरह खाते-पीते और सुख-दुख महसूस करते हैं।
(घ) कौआ फ़सलों को नष्ट करने वाले कीड़े-मकौड़े खाकर किसानों की सेवा करता है।

3. (क) तीनों सही हैं, (ख) उपकारी वेरु, (ग) सोच-समझकर, (घ) पूर्व का जादूगर

4. परिश्रम, उपस्थित, प्रयत्न, अभाव

5. मेरी तो जाति भ्रष्ट हो गई। हे भगवान, अब क्या करूँ?

6. (*i*) रस्सी, (*ii*) तलवार, (*iii*) वाणी, (*iv*) शीतल

7. र – रास्ता ʿ – वर्षा
⸍ – प्रभात ‸ – राष्ट्र

8. (*i*) विज्ञान + इक, (*ii*) देह + अंत, (*iii*) विवेक + आनंद, (*iv*) जगत् + ईश

9. **संकेत :** छुआ-छूत उचित नहीं, मानवता के प्रति पाप, प्रत्येक मनुष्य की रचना भगवान ने की है, उसकी रचना में कौन छोटा और कौन बड़ा, छुआछूत के कारण समाज बँट जाता है, कुछ लोग समाज का अंग नहीं बन पाते, उनके अधिकार छीने जाते हैं।

10. **संकेत :** पर्यटकों की सुविधाओं तथा सुरक्षा का ध्यान रखना, पर्यटन-स्थलों को साफ़-सुथरा रखना, पर्यटन-स्थलों पर मनोरंजन की उचित सुविधा देना, पर्यटन स्थलों का आकर्षक प्रचार करना।